हमारा 2018 का वार्षिक पत्र

10 मुश्किल सवाल जो हमसे पूछे जाते हैं

बिल और मेलिंडा गेट्स द्वारा

13 फरवरी, 2018

Bill + Melinda

हमारा 2018 का वार्षिक पत्र

13 फरवरी, 2018

हम अपने आशावाद के बारे में स्पष्टवादी हैं। हालांकि, इन दिनों आशावाद कम ही देखने को मिलता है।

मेलिंडा
या यौन प्रताड़ना।

आजकल के मुख्य समाचार भयावह खबरों से भरे पड़े हैं। हर दिन अपने साथ राजनीतिक विभाजन, हिंसा, या प्राकृतिक आपदा की अलग-अलग कहानी लेकर आता है।

मुख्य समाचारों के बावजूद, हम एक ऐसी दुनिया देखते हैं जो बेहतर होती जा रही है।

आज चीज़ें जैसी हैं उन्हें एक दशक या एक सदी पहले से तुलना करके देखें। दुनिया पहले से कहीं अधिक स्वस्थ और सुरक्षित है। प्रत्येक वर्ष मरने वाले बच्चों की संख्या 1990 से आधी रह गई है और यह लगातार नीचे जा रही है। उन माँओं की संख्या में भी बहुत कमी आई है जिनकी मौत हो जाती है। साथ ही अत्यधिक ग़रीबी में भी--जो सिर्फ 20 सालों में ही लगभग आधी रह गई है। अब और अधिक बच्चे स्कूल जा रहे हैं। यह सूची लम्बी होती जा रही है।

लेकिन आशावादी होने का मतलब यह जानना नहीं है कि जिन्दगी कभी बदतर हुआ करती थी। यह इस बात को जानना है कि जिन्दगी कैसे और बेहतर हो सकती है। और यही बात हमारे आशावाद को उत्तेजित करती है। हालांकि हम अपने काम में बहुत सी बीमारियों और ग़रीबी—और कई बड़ी समस्याओं को देखते हैं जिनका समाधान किये जाने की जरूरत है—पर हम साथ ही मानवतावाद के सर्वोत्तम रूप को भी देखते हैं। हम उन वैज्ञानिकों से सीखने में अपना समय लगाते हैं जो बीमारियों का इलाज करने के लिए नवीनतम उपकरणों का आविष्कार कर रहे हैं। हम उन समर्पित सरकारी नेताओं से बात करते हैं जो दुनिया भर में लोगों के स्वास्थ्य और कल्याण को प्राथमिकता देने के बारे में रचनात्मक बन रहे हैं। और हम दुनिया भर के उन बहादुर और प्रतिभाशाली लोगों से मिलते हैं जो अपने समुदायों का रूप बदलने के लिए नये तरीकों की कल्पना कर रहे हैं।

जब लोग हमसे पूछते हैं, “आप इतना आशावादी कैसे हो सकते हैं?” तो हमारा जवाब यह होता है। यह ऐसा सवाल है जो हमसे बार-बार पूछा जाता है, और हमें लगता है कि हमारा जवाब इस बारे में बहुत कुछ बताता है कि हम दुनिया को कैसे देखते हैं।

बिल
विश्वास करना मुश्किल है कि एक दशक बीत चुका है!

यह हमारा 10वां वार्षिक पत्र है, और हम उन 10 मुश्किल सवालों का जवाब देकर इस अवसर को अंकित कर रहे हैं जो लोग हमसे पूछते हैं। हम इनका जवाब जितना स्पष्ट रूप से दे सकते हैं, ज़रूर देंगे, और हमें आशा है कि जब आप इसे पूरा पढ़ लेगें तो आप भी उतने ही आशावादी हो जाएंगे जितने कि हम हैं।

1. आप संयुक्त राज्य अमेरिका में और दान क्यों नहीं करते?

मेलिंडा

हमारा संस्थान एक साल में संयुक्त राज्य अमेरिका में लगभग $500 मिलियन खर्च करता है, जिसका अधिकतर भाग शिक्षा पर खर्च किया जाता है। यह काफी बड़ी राशि है, लेकिन यह उस लगभग $4 बिलियन से काफी कम है जो हम विकासशील देशों की मदद करने के लिए खर्च करते हैं।

बिल
साथ ही वाशिंगटन राज्य में बेघरपन पर जहां हम रहते हैं।

हम विभिन्न लोगों की पीड़ा की तुलना नहीं करते। सभी पीड़ाएँ एक दुखांत घटना है। हालांकि हम विभिन्न प्रकार की पीड़ाओं को रोकने में मदद करने की हमारी सामर्थ्य का मूल्यांकन ज़रूर करते हैं। जब हमने वैश्विक स्वास्थ्य परिदृश्य का अध्ययन किया, तो हमने यह जाना कि हमारे संसाधनों का एक असंगत प्रभाव पड़ सकता है। हम जानते थे कि हम लाखों जानें बचाने में मदद कर सकते हैं। तो हम हमने यही करने की कोशिश की है।

टीकों की बात ही ले लें। हमने माना कि क्योंकि कुछ सेंटों के बदले या ज़्यादा से ज़्यादा कुछ डॉलरों के बदले बीमारियों को रोकना संभव था, तो हमने यही किया। लेकिन बाद में पता चला कि हम ग़लत थे, और सैकड़ों मिलियन बच्चों को कोई टीका लगाया ही नहीं जा रहा था।

मेलिंडा
यह हमारा पसंदीदा निराशावाद-विरोधी आंकड़ा है।

हमने पिछले 18 सालों में टीकों पर $15.3 बिलियन डॉलर खर्च किये हैं। और यह एक शानदार निवेश रहा है। बेहतर टीकाकरण एक कारण है कि उन बच्चों की संख्या अब इतनी कम क्यों हो गई है जिनकी मृत्यु हो जाती है, सन 2000 में लगभग 10 मिलियन से घटकर पिछले साल 5 मिलियन रह गई है। यह 5 मिलियन परिवार हैं जिन्हें अब अपनी बेटी, या अपने बेटे, एक बहन या भाई को खोने की पीड़ा नहीं झेलनी पड़ती।

हम अपने देश से प्यार करते हैं और यहाँ रहने वाले लोगों की बहुत परवाह करते हैं, इसीलिए हम संयुक्त राज्य अमेरिका में असमानताओं से लड़ने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। हमारे निजी अनुभव सहित, सभी सबूत यह बताते हैं कि शिक्षा अवसरों तक पहुंचने की कुंजी है। 2020 तक, दो-तिहाई अमेरिकी नौकरियों के लिए हाई स्कूल के बाद की शिक्षा या प्रशिक्षण की जरूरत होगी। क्योंकि लाखों अमेरिकी विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त नहीं होती, तो यह वह मुद्दा है जिस पर हम पिछले 17 सालों से अपना ध्यान केन्द्रित किये हुए हैं। हमारा लक्ष्य है कि सभी विद्यार्थी किसी ऐसे स्कूल में जाएँ जो उन्हें अपने सपनों को साकार करने के लिए तैयार करता है।

बिल

बिल
हम अभी भी इस बारे में सोच रहे हैं।

हम उन तरीकों को खोज रहे हैं जिनसे हम अमेरिका में अपने काम को शिक्षा से परे ले जा सकें। हम U.S. Partnership on Mobility from Poverty (ग़रीबी से गतिशीलता पर अमेरिकी भागीदारी) को वित्तपोषित करते हैं, जो लोगों को आर्थिक तरक्की करने में मदद करने के तरीकों के बारे में अध्ययन कर रहे हैं। जबकि हम अन्य देशों में ग़रीब लोगों की जिन्दगियों के बारे में जानने के लिए व्यापक रूप से यात्रा करते हैं, हमने अमेरिका में ऐसा कम ही किया है। इसलिए पिछली पतझड़ (फॉल) के दौरान, हमने और जानने के लिए दक्षिण की यात्रा की।

मेलिंडा
उसने अग्रिम भुगतान की कोशिश की लेकिन मैनेजर आसपास मौजूद नहीं था।

अटलांटा में, हम एक अकेली माँ से मिले, जिसने हमें दिल तोड़ने वाली कहानी सुनाई कि किस तरह उसे किराये का भुगतान न कर पाने की दशा में उसके अपार्टमेंट से निकाल दिया गया जबकि वह अपने नवजात शिशु के साथ हस्पताल में थी। हमने शहर के सबसे ग़रीब पड़ोसियों में से एक अपार्टमेंट काम्प्लैक्स के कुछ निवासियों के साथ कॉफी पर बातचीत की। उन्होंने हमें अपने घरों की दीवारों और छतों पर बढ़ती हुई फंफूदी को दिखाया। उन्होंने हमें बताया कि वे हमेशा गोलीबारी की आवाज़ सुनकर अपने बच्चों को बेड के नीचे या बाथटब में छुपा देते हैं।

अटलांटा की हमारी यात्रा, अक्टूबर 2017.

यह कहना कम बयानी होगी कि जिन लोगों से हम अटलांटा में मिले वे बड़ी चुनौतियों का सामना करते हैं। लेकिन वे साथ ही अविश्वसनीय रूप से सख़्त भी थे। एक बॉय्ज़ और गर्ल्स कलब में, हम एक आदमी से मिले जो बच्चों के लिए लंच खरीदने के लिए अपने पैसे का इस्तेमाल करता है। हम कभी जेल में रहे कैदियों से मिले जो अब नौकरियाँ करते हैं और अपने परिवारों का पालन-पोषण कर रहे हैं।

हमने इस यात्रा में जो देखा वह शिक्षा के महत्व को सुदृढ़ करता है, क्योंकि अंतत: यह कम आमदनी वाले विद्यार्थियों और अलग जाति वाले विद्यार्थियों की मदद करने के बारे में है ताकि उन्हें बाकी सब की तरह के समान अवसर प्राप्त हो सकें। इस यात्रा ने हमें उन अन्य तरीकों के बारे में सोचने पर मजबूर कर दिया जिनसे हम लोगों को ग़रीबी से निकलने में मदद कर सकते हैं। अमेरिका में आर्थिक गतिशीलता के मुद्दे आपस में एक-दूसरे से गहराई से गूंथे हुए हैं: शिक्षा, नौकरी, जाति, आवास, मानसिक स्वास्थ्य, बंदीकरण, नशीले पदार्थों का दुरुपयोग। हमने अभी यह फैसला नहीं किया है कि जो हमने जाना है वह हमारे दान देने को किस प्रकार प्रभावित कर सकता है, लेकिन इसका हम पर प्रभाव ज़रूर पड़ा है। जब हम किसी रणनीति को स्थापित कर लेगें तो हम हमारे दृष्टिकोण के बारे में और जानकारी साझा करेंगे।

2. अमेरिकी शिक्षा पर जो बिलियन डॉलर आपने खर्च किये हैं उसका प्रभाव आप कैसे दर्शाएंगे?

बिल

बहुत कुछ, लेकिन उतना नहीं जितना कि हम दोनों में से कोई देखना पसंद करता।

हमने संयुक्त राज्य अमेरिका में अपने काम का केन्द्र शिक्षा को बनाया क्योंकि यह नागरिकों और देश के लिए एक समृद्ध भविष्य की कुंजी है। दुर्भाग्यवश, हालांकि पिछले दशक में कुछ उन्नति देखने को मिली है, लेकिन अमेरिका के पब्लिक स्कूल अब भी ज़रूरी मैट्रिक्स पर पूरे नहीं उतर रहे है, खास तौर पर कॉलेज की पढ़ाई को पूरा करने पर। और वंचित विद्यार्थियों के लिए तो आंकड़े और भी बदतर हैं।

गंवाएँ गये मौक़े

विद्यार्थियों का केवल 59 प्रतिशत जिन्होंने 2009 के पतझड़ में एक 4-वर्षीय संस्थान में कॉलेज शुरु किया, 2015 तक एक स्नातक डिग्री के साथ ग्रेजुएट हुए।

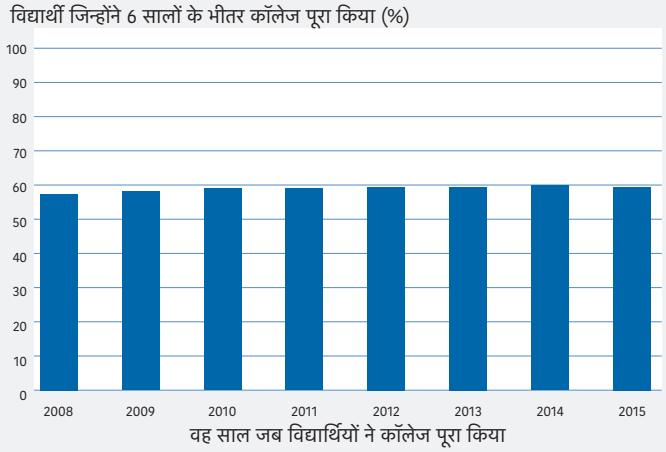

स्रोत: शिक्षा आंकड़ों के लिए राष्ट्रीय केन्द्र

हम शुरुआती शिक्षा और सेकेंडरी स्कूल के बाद के संस्थानों की सहायता करते हैं, लेकिन हमने हाई स्कूल के साथ शुरुआत की थी, और यह आज भी ऐसा क्षेत्र है जहाँ हम सबसे अधिक निवेश करते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में क्या काम करता है हमने इस बारे में बहुत कुछ सीखा है, लेकिन सफलताओं को व्यापक रूप से दोहराना एक चुनौती बना रहा है।

सन 2000 की शुरुआत में, हमारा संस्थान उन संगठनों में से एक था जिसने हाई स्कूल की स्नातक दर की गणना जिस प्रकार से की जाती थी, उसमें एक बहुत बड़ी खामी की ओर ध्यान आकर्षित किया। उन्हें अक्सर 90 प्रतिशत पर रिपोर्ट किया जाता था, जबकि वे असल में 70 प्रतिशत से भी कम थीं–जिसका अर्थ है कि मोटे तौर पर एक तिहाई विद्यार्थी स्कूल छोड़ रहे थे। हमने उस अनुसंधान को वित्तपोषित किया जिसने असली स्नातक दर की पहचान की और उन राज्यों का एक गठबंधन बनाने में मदद की जो इसका इस्तेमाल करने पर सहमत हुए।

उन स्नातक दरों को बढ़ाने में मदद के लिए, हमने सैकड़ों नये सेकेंडरी स्कूलों की सहायता की। उनमें से बहुतेरों ने उनके द्वारा प्रतिस्थापित किये गये या पूरक स्कूलों की तुलना में बेहतर उपलब्धि और स्नातक दरें प्राप्त की हैं। शुरुआत में, हमने कम प्रदर्शन करने वाले स्कूलों को परिवर्तित करने वाले प्रयासों का भी समर्थन किया। यह शिक्षा में सबसे अधिक कठिन चुनौतियों में से एक है। एक बात जो हमने सीखी है वह यह है कि निम्न प्रदर्शन करने वाले स्कूलों को बदलना अत्यधिक मुश्किल है; समूचे तौर पर उन्होंने नये बनाये गये स्कूलों के मुकाबले अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। हमने शिक्षा क्षेत्र को यह जानने में भी मदद की कि किसी स्कूल को क्या चीज़ अधिकतम प्रभावी बनाती है। मजबूत नेतृत्व, सिद्ध शैक्षणिक प्रथाएँ, एक स्वास्थ्यप्रद स्कूली परिवेश, और उच्च अपेक्षाएँ सभी कुंजियाँ हैं।

हमने देश भर के ज़िलों के साथ शिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मदद करने के लिए भी काम किया है। इस प्रयास ने शिक्षाविशारदों को यह समझने में मदद की कि शिक्षकों का निरीक्षण कैसे किया जाए, उनके प्रदर्शन को उचित तरीके से दर्जा कैसे दिया जाए, और उन्हें वह फीडबैक कैसे प्रदान किया जाए जिस पर वे कार्रवाई कर सकें। लेकिन हमें जिस बड़े प्रभाव की अपेक्षा थी वह हमें दिखाई नहीं दिया है। किसी भी नये दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए आपको तीन चीज़ों की जरूरत होती है। पहले आपको एक पायलट प्रोजैक्ट चलाना होगा जो यह दिखाए कि यह दृष्टिकोण काम करता है। फिर काम को अपने आप को स्थायी बनाना होगा। अंत में, दृष्टिकोण को अन्य जगहों पर फैलना होगा।

हमारे शिक्षकों के प्रभावकारी काम ने इन तीन परीक्षणों पर कैसा प्रदर्शन किया? इसका छात्रों के सीखने पर मिला-जुला प्रभाव था, कुछ हद तक इसलिए क्योंकि पायलट फीडबैक प्रणाली प्रत्येक स्थान पर अलग-अलग तरीके से लागू की गई थी। नई प्रणालियों को कुछ स्थानों पर बनाये रखा गया गया था, जैसे कि मैम्फिस में, लेकिन अन्य स्थानों पर नहीं। और हालांकि अधिकतर शिक्षाविशारद इस बात पर सहमत हैं कि शिक्षक अधिक उपयोगी फीडबैक प्राप्त करने के अधिकारी है, लेकिन काफी ज़िले इसे पहुंचाने के लिए ज़रूरी निवेश और प्रणाली में बदलाव नहीं कर रहे हैं।

किसी सुझाव को व्यापक रूप से अपनाये जाने के लिए उस सुझाव को विभिन्न प्रकार की सेटिंग्स वाले स्कूलों के लिए काम करना चाहिए: शहरी और ग्रामीण, उच्च आमदनी और कम आमदनी वाले और इसी तरह से और बहुत कुछ। इसे यथास्थिति से भी निपटना होगा। अमेरिका के स्कूल, डिज़ाइन के अनुसार, ऊपर से प्रबंधित न की जाने वाली एक प्रणाली नहीं हैं। महत्वपूर्ण बदलाव किये जाने के लिए, आपको फैसला लेने वालों की एक व्यापक श्रृंखला के मध्य सर्वसम्मति बनानी होगी, जिसमें राज्य सरकारें, स्थानीय स्कूल बोर्ड, प्रशासक, शिक्षक और माता-पिता शामिल हैं।

मेलिंडा

हमने हाल ही में अपने शिक्षा कार्य में कुछ बदलावों की घोषणा की है, जो इन सीखे गये सबकों को ध्यान में रखते हैं। शिक्षा में हम जो भी करते है वह एक सुझाव से ही शुरु होता है जो शिक्षाविशारद हमारे पास लाते हैं। ये वे लोग हैं जिनका ध्यान इस काम पर चौबीसों घंटे केन्द्रित है, जिन्होंने उन प्रणालियों को सुधारने के लिए अपने करियर को समर्पित किया है जो आज बहुत से विद्यार्थियों की अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर रहे हैं, और खास तौर पर अल्पसंख्यक विद्यार्थियों की।

मेलिंडा
हम देश भर के प्रधानाचार्यों और शिक्षकों से निरंतर सीख रहे हैं।

यह हमारी नई रणनीति के लिए वस्तुत: सही है। हम देश भर के माध्यमिक और हाई स्कूलों के नेटवर्क के साथ काम करेंगे ताकि उन बाधाओं से निपटने में *उनकी अपनी* स्वयं की रणनीतियों को विकसित एवं लागू करने में मदद कर सकें जो विद्यार्थियों को सफल बनने से रोकती हैं। हम इस प्रक्रिया के साथ इन नेटवर्कों की मदद करेंगे: लगातार सीखने और बेहतर बनाने का संचालन करने के लिए विद्यार्थी की सफलता के प्रमुख सूचकों का जैसे कि ग्रेड्स और उपस्थिति का उपयोग करना। लेकिन जो बदलाव वे लाते हैं उनका सार इस बात पर निर्भर करेगा कि स्थानीय नेता और उपलब्ध सबूत क्या कहते हैं कि किस चीज़ से सबसे अधिक प्रभाव डालने की संभावना है।

स्कूलों के कुछ नेटवर्क उन दृष्टिकोणों पर केन्द्रित होंगे जिनमें हमें काफी अनुभव है, जैसे कि बेहतर पाठ्यक्रम और शिक्षक फीडबैक प्रणाली। अन्य उन क्षेत्रों पर ध्यान देंगे जो हमारे लिए नये हैं, जैसे कि माध्यमिक स्कूल से हाई स्कूल जाने और हाई स्कूल से कॉलेज जाने के बीच मुश्किल परावर्तन को कम करने के लिए परामर्श कार्यक्रम।

हमारी भूमिका स्कूलों को सहायता देने की होगी जबकि वे बदलाव लाते हैं, डेटा को इकट्ठा करते और उसका विश्लेषण करते हैं, और जो वे सीख रहे हैं, उसके आधार पर समय के साथ-साथ समायोजन करते हैं।

3. आप जलवायु में परिवर्तन से संघर्ष करने के लिए पैसा क्यों नहीं देते हैं?

बिल

हम देते हैं! इसमें से कुछ में हमारा संस्थान शामिल है, और कुछ हमारे अपने निजी निवेशों के माध्यम से आता है।

निजी रूप से, हम उन नवीनतम आविष्कारों में निवेश कर रहे हैं जो ग्रीन हाउस गैसों में कमी लाएगा (जिसे जलवायु में बदलाव की गंभीरता को कम करना कहा जाता है)। दुनिया को विश्वसनीय, वहनीय साफ ऊर्जा के नये स्त्रोतों की जरूरत है लेकिन यह इन महत्वपूर्ण खोजों को लाने वाले अनुसंधान के लिए बहुत ही कम पैसा दे रही है।

वित्तपोषण में यह अंतराल उन समस्याओं से अलग है जिन पर हम इस संस्थान में काम करते हैं। लोकोपकार में, आप ऐसी समस्याओं पर नजर रखते हैं जिसे बाजार या सरकारों द्वारा ठीक नहीं किया जा सकता। साफ ऊर्जा वाली समस्या को दोनों द्वारा ठीक किया जा सकता है—जब तक कि सरकारें मूल अनुसंधान को वित्तपोषित करें और ग्रीन हाउस से निकलने वाली गैस को कम करने के लिए प्रेरणाओं का सृजन करें और निवेशक धैर्य रखें जबकि कम्पनियाँ अपने अनुसंधान को बाजार में लाये जाने योग्य उत्पादों में बदल पाएँ। इसीलिए मैं इस पर संस्थान के माध्यम से काम करने की बजाय निजी तौर पर कार्य कर रहा हूँ।

पिछले दो सालों में, इसमें काफी प्रगति हुई है। तेईस देशों ने 2020 तक साफ ऊर्जा में अपने निवेशों को दोगुना करने की प्रतिबद्धता की है। Breakthrough Energy Ventures (ब्रेकथ्रू एनर्जी वेंचर्स), एक निजी निवेश फंड जिसमें मैं सम्मिलित हूँ, के पास अब विभिन्न प्रकार के निवेशकों से $1 बिलियन डॉलर से भी अधिक का वित्त मौजूद है और वह कई क्षेत्रों (जैसे कि ग्रिड के स्तर पर भंडारण और भू-तापीय ऊर्जा) में कम्पनियों का वित्तपोषण करेगा जो नवीनतम आविष्कारों के लिए तैयार हैं। BEV सरकारों के साथ कनेक्ट करने के लिए coalition of other clean-energy investors (अन्य साफ ऊर्जा वाले निवेशकों का एक गठबंधन) के साथ भी काम करेगी। इस समय, साफ ऊर्जा पर सार्वजनिक और निजी खर्च में समन्वय नहीं है, जो इस बात का एक कारण है कि कुछ आशाजनक प्रौद्योगिकियाँ बाजार तक नहीं पहुंच पाती। हम इस अंतर को मिटाना चाहते हैं।

बिल
उद्यम पूंजी संस्थाओं, बैंकों और बीमा कंपनियों की तरह।

मेलिंडा

नवीनतम तकनीक भी मौसम को बदलने से नहीं रोक सकती। इसलिए दुनिया को समझने की जरूरत है कि अभी क्या हो रहा है और जो हम जानते हैं कि होने वाला है। और इसीलिए हमारे संस्थान का काम, खास तौर पर वैश्विक कृषि, अधिक मात्रा में जलवायु मुद्दों पर केन्द्रित है।

मेलिंडा
उन महिलाओं सहित जो अपने परिवारों द्वारा खाया जाने वाला भोजन उत्पादित किया करती हैं।

विकासशील देशों में सैकड़ों मिलियन लोग अपने पालन-पोषण के लिए कृषि पर निर्भर करते हैं। उनका जलवायु में बदलाव से लगभग कुछ लेना-देना नहीं था, लेकिन वे इससे सब से अधिक प्रभावित होंगे। जब चरम मौसम उनकी फ़सलों को तबाह करते है, तो उस साल उनके पास खाने के लिए भोजन नहीं होगा। उनके पास स्वास्थ्य देखभाल और स्कूल फीसों जैसी मूल जरूरतों पर खर्च करने के लिए आमदनी नहीं होगी। छोटे किसानों के लिए, जलवायु में बदलाव न केवल एक अशुभ वैश्विक रुझान है। बल्कि यह एक रोज़ाना की आपातस्थिति है।

लेकिन जैसे कि नवीनतम आविष्कार जलवायु में बदलाव को सीमित कर सकते हैं, बल्कि यह लोगों को इससे निपटने में मदद भी कर सकते हैं। हम किसानों को और अधिक उत्पादक बनने में निवेश करते हैं, ताकि जब कुछ खराब साल आये तो उनसे निपटने के लिए उनके पास अधिक प्रतिरोध हो। हम जलवायु-स्मार्ट फ़सलों में भी निवेश करते हैं जो कि अत्यधिक गर्मी और सर्दी, सूखे और बाढ़, और बीमारियों और कीटों के प्रति कम संवेदनशील होती हैं। उदाहरण के लिए, हम चावल की कई ऐसी किस्में विकसित करने के लिए चाइनीज़ एकेडमी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंस सहित कई साझीदारों के साथ काम कर रहे हैं जो सूखे को बर्दाश्त कर सकें और जिन्हें कम उर्वरक, जड़ी-बूटी, और कीटनाशक चाहिए हों। इस “ग्रीन सुपर राइस” की तरह के नवीन आविष्कार ग़रीबी से लड़ने और आने वाले दशको में दुनिया का भरण-पोषण करने की कुंजी हो सकते हैं।

ग्रीन सुपर राइस और स्कूबा राइस, जिन्हें इस किसान ने बोया, को चरम मौसम का सामना करने के लिए विकसित किया गया है।

4. क्या आप दूसरी संस्कृतियों पर अपनी मान्यताओं को थोप रहे हैं?

बिल

एक स्तर पर, मुझे लगता है मेरा जवाब है बिलकुल नहीं। यह विचार कि बच्चों को मलेरिया या कुपोषण की वजह से नहीं मरना चाहिए, केवल हमारी मान्यता नहीं है। यह एक मानवीय मान्यता है। प्रत्येक संस्कृति में माँ-बाप अपने बच्चों को जिन्दा रहते और समृद्ध बनते देखना चाहते हैं।

हालांकि, कई बार इस सवाल को पूछने वाला व्यक्ति एक गहरे मुद्दे को उठा रहा होता है। यह सवाल इस बारे में नहीं है कि हम क्या करते हैं, बल्कि इस बारे में है कि हम इसे कैसे करते हैं। क्या हम लोगों की ज़रूरतों को असल में समझते हैं? क्या हम उस क्षेत्र में लोगों के साथ काम कर रहे हैं?

मेलिंडा

हम असल में जानते हैं कि अतीत में कुछ विकास कार्यक्रम उन व्यक्तियों के नेतृत्व में चलाये गये थे जो यह मानते थे कि उन्हें उन व्यक्तियों से बेहतर पता है जिनकी वे सहायता करने की कोशिश कर रहे थे। हमने सालों के अनुभव से सीखा है कि लोगों की ज़रूरतों के बारे में सुनना और उन्हें उनके दृष्टिकोण से समझना न केवल और सम्मानपूर्वक है—बल्कि यह अधिक प्रभावशाली भी है।

बिल
129 मिलियन अफ़्रीकियों का 2016 में उपचार किया गया था!

हमारे संस्थान को इस सिद्धांत को ध्यान में रखकर बनाया गया है। जब हम कहते हैं “हम” किसी मुद्दे पर काम कर रहे हैं, हमारा मतलब यह नहीं होता कि बिल या मैं या संस्थान का कोई कर्मचारी तेजी से विकास करते शहरों में सीवर सिस्टम लगा रहा है, नदियों के अन्धेपन के लिए ट्रीटमेंट पहुंचा रहा है, या उनकी फ़सलों को बार-बार बदलने के लिए किसानों को प्रशिक्षण दे रहा है। हमारा मतलब यह है कि हम उन संगठनों को वित्तपोषित करते हैं जिन्हें इन कामों को करने के लिए सालों का और कई बार दशकों का स्थानीय अनुभव होता है। ये संगठन, हमारे हजारों भागीदार, हमें उन लोगों से जोड़े रहते हैं जिनकी हम मदद करने की कोशिश कर रहे हैं।

हमारे चार महाद्वीपों में लगभग 1,500 कर्मचारी हैं जो डेटा का अध्ययन करते हैं, संभावित दृष्टिकोणों का समूचे तौर पर सर्वेक्षण करते हैं, यह अध्ययन करते हैं कि किस चीज ने काम किया और किस ने नहीं, और उन रणनीतियों को विकसित करते हैं जिनके लिए हमारा मानना है कि वे हमारे प्रभाव को अधिकतम बना देंगी।

लेकिन उनके काम के सबसे महत्वपूर्ण हिस्सों में से एक भागीदारों की बात को सुनना, जो कुछ उन्होंने सुना उसके आधार पर रणनीतियों को समायोजित करना, और लागू करने वालों को अपनी विशेषज्ञता और उनके स्थानीय ज्ञान का उपयोग करने के लिए छूट प्रदान करना है। इसका मतलब यह नहीं है कि हम हमेशा सही ही होते हैं। हम नहीं होते। लेकिन हम अपने काम को जिसके बारे में हम नहीं जानते उसे विनम्रता के साथ करने और हमारी गलतियों से सीखने के दृढ़ संकल्प के साथ करने की कोशिश करते हैं।

स्थानीय भागीदारों पर निर्भर करने के साथ-साथ, हमारी सशक्तिकरण के महत्व के बारे में एक जोरदार आस्था भी है। हम किसी के लिए भी चुनाव करने में रुचि नहीं रखते हैं। उदाहरण के लिए, हम परिवार नियोजन में न केवल इसलिए निवेश करते हैं कि हमारा दृष्टिकोण है कि दूसरे लोगों का परिवार कैसा दिखना चाहिए लेकिन इसलिए भी करते हैं क्योंकि दुनिया भर के माता-पिता ने हमें बताया है कि वे ऐसे उपकरण चाहते हैं कि जिससे अपने परिवार के प्रति उनका दृष्टिकोण सफल बन सके। हमारे सभी कामों में, हम यह सुनिश्चित करने में रुचि रखते हैं कि लोगों के पास अपने लिए सर्वोत्तम चयन करने का ज्ञान और ताकत है।

5. क्या बच्चों की जान बचाना अधिक आबादी की ओर ले जाता है?

बिल
हम दोनों अभी भी उन्हें याद करते हैं।

मेलिंडा
उनकी अद्भुत TED वार्ताओं पर नज़र डालिए, अगर आप पहले ही ऐसा न कर चुके हों।

मेलिंडा

शुरुआत में हमने भी अपने आप से यही सवाल पूछा था। हैंस रोजलिंग, शानदार और प्रेरक सार्वजनिक स्वास्थ्य वकील, जिनकी पिछले साल मृत्यु हो गई, वे इसका बहुत बढ़िया तरीके से जवाब देते थे। मैंने इस मुद्दे के बारे में विस्तार से हमारे 2014 के पत्र में लिखा था। लेकिन यह दोहराने लायक है, क्योंकि यह सहज ज्ञान से इतना विरोधी है। *जब 5 साल से ऊपर की आयु वाले अधिक बच्चे जीते हैं, और जब माँएं यह फैसला कर सकती हैं कि क्या उन्हें बच्चे चाहिएँ और कब, तो आबादी का आकार ऊपर नहीं जाता। वे कम होती हैं।* माता-पिता के बच्चे तब कम होते हैं जब उन्हें भरोसा होता है कि उनके वे बच्चे बालिग होने तक जिन्दा रहेंगे। कुछ तरह से बड़े परिवार एक बेटे या बेटी को खोने की दुखद संभावना के विरुद्ध एक जीवन बीमा हैं।

हम पूरे इतिहास के दौरान इस क्रम को देखते हैं। सारी दुनिया में, जब बच्चों के बीच मृत्यु दरें नीचे आती हैं तो जन्म दरें भी कम होती हैं। ऐसा फ्रांस में 1700 के आखिर में हुआ था। ऐसा जर्मनी में 1800 के आखिर में हुआ था। अर्जेंटीना में 1910 में, ब्राजील में 1960 में, बांग्लादेश में 1980 में ऐसा ही हुआ था।

धीमे होना

दुनिया की आबादी में पिछली शताब्दी में तेजी से वृद्धि हुई है। लेकिन वृद्धि की दर कम हो रही है, और शायद हम कभी भी 12 बिलियन लोगों तक न पहुंचें।

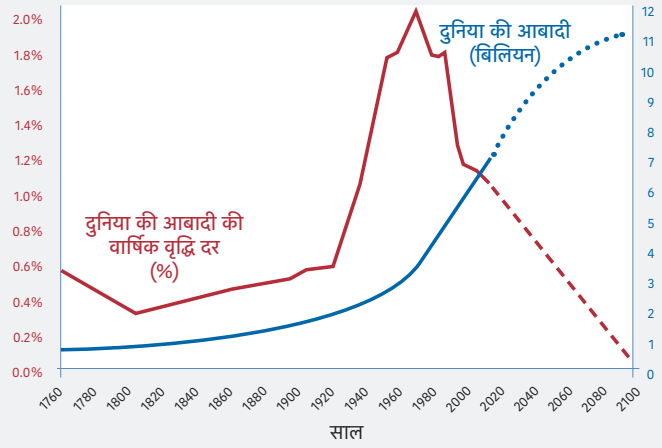

स्रोत: Our World in Data

बिल

मेलिंडा ने जिस पैटर्न का वर्णन किया उसका दूसरा फायदा यह है—पहले अधिक बच्चे जीते हैं, फिर परिवार कम बच्चे होने का चुनाव करते हैं—जो कि आर्थिक विकास के एक विस्फोट की ओर ले जा सकता है जिसे अर्थशास्त्री "जनसांख्यिकीय लाभांश" कहते हैं। यह ऐसे काम करता है।

जब ज़्यादा बच्चे जीते हैं, तो आपको एक ऐसी पीढ़ी मिलती है जो अपेक्षाकृत बड़ी होती है। फिर, जब परिवार कम बच्चे पैदा करने का फैसला करते हैं, तो अगली पीढ़ी काफी कम होती है। अंतत: एक देश में कार्य बल में अपेक्षाकृत अधिक लोग होते हैं जो आर्थिक रूप से अधिक उत्पादन करते हैं—और अपेक्षाकृत कम निर्भर व्यक्ति होते हैं (बहुत बूढ़े या बहुत युवा लोग)। यह शीघ्रतम आर्थिक विकास की विधि है, खास तौर पर जब देश स्वास्थ्य और शिक्षा में निवेश करके इससे फायदा उठाते हैं।

सौभाग्यवश, बच्चों की मौतों की संख्या के लगातार कम होते रहने की संभावना होती है। बच्चे के स्वास्थ्य में नवीनतम आविष्कार की दर असाधारण है, और दुनिया ने इस क्षेत्र की सबसे मुश्किल चुनौतियों पर प्रगति करना शुरू कर दिया है। उदाहरण के लिए, अब हम जानते हैं कि कुपोषण बच्चों की होने वाली आधी मौतों में एक योगदान देने वाला कारक है, लेकिन अभी भी ऐसे कई खुले सवाल हैं कि कुपोषण क्यों होता है और इससे कैसे बचा जाए। एक आशाजनक क्षेत्र माइक्रोबायम—मानव पेट में सभी बैक्टीरिया—और पोषक तत्वों को अवशोषित करने की बच्चों की क्षमता में ये क्या भूमिका निभाता है, का अध्ययन है। हम एक ऐसे डिवाइस पर एक भागीदार के साथ काम कर रहे हैं जो कि धागे के एक टुकड़े की मोटाई जितना है जो शिशुओं के नाक से नीचे ले जाया जा सकता है और आंत के 360 डिग्री सूक्ष्म चित्रों को ले सकता है। जल्द ही, अनुमान लगाने की बजाय हम यह देख पाएंगे कि बच्चा कैसे विकसित हो रहा है।

बिल
सुनने में अजीब लगता है, लेकिन यह जिन्दगियाँ बचाएगा!

मेलिंडा
पहुँच से आशय विभिन्न प्रकार के परिवार-नियोजन माध्यमों, स्पष्ट सूचना और उच्च-गुणवत्ता युक्त चिकित्सकीय सुविधाओं से है।

मेलिंडा

बच्चों की जिन्दगियाँ बचाने का अपना ही औचित्य है। इससे हरेक की जिन्दगी के बेहतर बनने की भी संभावना है। लेकिन यह जनसांख्यिकीय पारगमन एक उचित अवधि में तभी हो सकता है जब सभी महिलाओं को गर्भनिरोधकों तक पहुंच प्राप्त हो। इस समय, 200 मिलियन से अधिक को यह प्राप्त नहीं है। उन महिलाओं, उनके बच्चों और उनके समुदायों की खातिर, हमें उनकी ज़रूरतों को पूरा करना ही होगा- और हमें इसे अभी करना होगा। यदि हम पहुंच देने से इंकार करते हैं तो हम उन्हें जीवन भर के लिए ग़रीबी की ओर धकेल रहे हैं। लेकिन यदि हम पहुंच प्रदान करने में निवेश करते हैं, तो परिवार इसका उपयोग अपने आपको ग़रीबी से निकालने के लिए और अपने बच्चों के लिए बेहतर भविष्य बनाने के लिए करेंगे।

6. राष्ट्रपति ट्रम्प की नीतियाँ आपके संस्थान के काम को किस तरह प्रभावित कर रही हैं?

बिल

पिछले साल में, मुझे राष्ट्रपति ट्रम्प और उनकी नीतियों के बारे में इस पत्र में कवर किये गये किसी भी अन्य विषय से कहीं अधिक बार पूछा गया है।

इस प्रशासन की नीतियाँ हमारी संस्था के काम को कई क्षेत्रों में प्रभावित करती हैं। सबसे ठोस उदाहरण विदेशी सहायता है। दशकों तक संयुक्त राज्य अमेरिका विदेशों में बीमारियों और ग़रीबी से लड़ने में एक अग्रणी बना रहा है। ये प्रयास जिन्दगियाँ बचाते हैं। वे अमेरिकी नौकरियों का निर्माण भी करती है। और वे ग़रीब देशों को अधिक स्थिर बनाकर और महामारी बनने से पहले रोग फैलने को रोक कर अमेरिकियों को अधिक सुरक्षित बनाती है। दुनिया एक सुरक्षित स्थान नहीं रहती जब ज़्यादा लोग बीमार या भूखे हों।

राष्ट्रपति ट्रम्प ने विदेशी सहायता में गंभीर कटौतियाँ करने का प्रस्ताव रखा। इसका श्रेय देते हुए, कांग्रेस ने इस पैसे को वापस बजट में डाल दिया। कड़ी ताकत और विनम्र ताकत दोनों के माध्यम से संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए नेतृत्व करना बेहतर है।

अधिक व्यापक रूप से, अमेरिका फर्स्ट का वैश्विक नज़रिया मुझे परेशान करता है। ऐसा नहीं है कि संयुक्त राज्य अमेरिका को अपने लोगों की बेहतरी के बारे में नहीं सोचना चाहिए। सवाल है कि इसे सर्वोत्तम तरीके से कैसे किया जा सकता है। मेरा दृष्टिकोण है कि दुनिया के साथ सम्मिलित होना समय के साथ-साथ, अमेरिकियों सहित, हरेक के लिए फायदेमंद साबित हुआ है, अपने आपको अलग-थलग करने से कहीं ज़्यादा। यदि हम हर चीज़ को सिर्फ इस बात से मापें कि सरकार ने अमेरिकी नागरिकों की मदद के लिए कितना कुछ किया है, तो भी वैश्विक भागीदारी एक समझदारी भरा निवेश होगा।

हम राष्ट्रपति ट्रम्प और उनकी टीम से मिले, जैसे कि हम पिछले प्रशासनों के लोगों से मिले थे। हरेक प्रशासन के साथ–रिपब्लिक और डेमोक्रेट–हम कुछ बातों पर सहमत होते हैं और कुछ पर असहमत। हालांकि इस प्रशासन के साथ हम पहले मिल चुके बाकी प्रशासनों के मुकाबले कहीं अधिक असहमत हैं, हमारा यह मानना है कि जब भी संभव हो मिलजुल कर काम करना अभी भी महत्वपूर्ण है। हमारा उनसे बात करना जारी है क्योंकि यदि अमेरिका विदेश में अपने निवेशों में कटौती करता है, तो अन्य देशों में लोग मरेंगे, और अमेरिकियों की दशा बदतर होगी।

मेलिंडा

हमें इस प्रशासन के साथ मिलकर काम करने की जरूरत है ताकि हम ऐसी नीतियों के लिए जितना अधिक से अधिक हो सके, समर्थन इकट्ठा कर सकें जो दुनिया भर के सबसे अधिक ग़रीब लोगों को फायदा पहुंचाएँगी। हमारे अमेरिकी काम में, एक धारणा जिससे हम शुरुआत करते हैं, वह यह है कि एक सफल भविष्य के लिए कॉलेज डिग्री या करियर सर्टीफिकेट महत्वपूर्ण है। चंद शब्दों में कहें तो, कॉलेज की शिक्षा सभी अमेरिकियों के लिए समृद्धि का मार्ग होनी चाहिए। कांग्रेस के साथ-साथ, ट्रम्प प्रशासन के नेतृत्व का इस बात से बहुत कुछ लेना-देना होगा कि क्या ऐसा होता है।

खास तौर पर, विद्यार्थी सहायता कार्यक्रमों को कम आमदनी वाले विद्यार्थियों के लिए बेहतर तरीके से काम करने की जरूरत है। इस समय, 2 मिलियन विद्यार्थी जो सहायता प्राप्त करने लायक़ हैं, वे इसके लिए आवेदन तक नहीं करते क्योंकि यह प्रक्रिया बहुत बोझिल है। कुछ तो ऋणी बन जाते हैं। इससे भी बदतर यह कि बहुत से तो कॉलेज जाते ही नहीं। सरकार का सहायता कार्यक्रमों को वित्तपोषित करने में उदार होना जारी रखना होगा जबकि साथ ही आवेदन प्रक्रिया को आसान बनाना भी। लाखों युवा अमेरिकियों का भविष्य खतरे में है।

मैं यह भी कहूंगी कि मेरा मानना है कि संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के दायित्वों में से एक दुनिया भर में अमेरिकी मान्यताओं के लिए एक रोल मॉडल होना भी है। मैं चाहती हूं कि हमारे राष्ट्रपति लोगों के साथ, और विशेष रूप से महिलाओं के साथ अधिक सम्मान का व्यवहार करें, जबकि वे बोलते और ट्वीट करते हैं। समानता एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय सिद्धांत है। प्रत्येक व्यक्ति की पवित्रता, चाहे वो किसी जाति, धर्म, यौन अभिविन्यास, या लिंग का हो, हमारे देश के चरित्र का हिस्सा है। एक अच्छा उदाहरण पेश करना और सभी अमेरिकियों को अपने वक्तव्य और अपनी नीतियों के माध्यम से सशक्त बनाना राष्ट्रपति की जिम्मेदारी है।

7. आप कॉर्पोरेशनों के साथ काम क्यों करते हैं?

मेलिंडा

हम GSK और जॉनसन एंड जॉनसन के साथ काम इसलिए करते हैं क्योंकि वे उन कामों को कर सकती हैं जो कोई और नहीं कर सकता।

ग़रीबी की बीमारियों के लिए नए निदान, दवाओं और टीके विकसित करने का उदाहरण लें। मूलभूत विज्ञान जो उत्पाद विकास का आधार होता है, वह अनुसंधान केंद्रों और विश्वविद्यालयों में होता है। लेकिन जब लक्ष्य बुनियादी विज्ञान पर निर्माण करने का होता है, उन उत्पादों में बदलने का जो जिन्दगियाँ बचाते हैं, उन उत्पादों का परीक्षण करना और उन्हें स्वीकृत करवाना, और फिर उनका उत्पादन करना होता है, तो जैव प्रौद्योगिकी और

फार्मास्यूटिकल कंपनियों के पास आवश्यक विशेषज्ञता का विशाल बहुमत होता है। हम जिस किसी भागीदार के साथ काम करते हैं, उसका संस्थान से वित्तपोषण के साथ विकसित एक किफ़ायती दाम पर व्यापक रूप से उपलब्ध उत्पादों को बनाना आवश्यक होता है।

आदर्श रूप से, हम कम्पनियों को विकासशील देशों में लोगों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए अधिक अवसर तलाशते देखना चाहते हैं। यदि हमारी सीमित भागीदारी उन्हें नये बाजारों में संभावना देखने के लिए प्रोत्साहित करती है तो हम इसे एक बड़ी सफलता मानते हैं।

बिल

हमारा मानना है कि ग़रीब लोगों को भी स्वास्थ्य और कृषि में उसी प्रकार के नवाचार से लाभ प्राप्त होना चाहिए जिसने कि दुनिया के अमीर हिस्सों में जिन्दगी को बेहतर बनाया है। उनमें से बहुत से नवाचार निजी सेक्टर से आते हैं। लेकिन कम्पनियों को अपने निवेशों पर पैसा कमाना होता है, जिसका मतलब है कि उन्हें उन समस्याओं पर काम करने के लिए बहुत थोड़ा प्रोत्साहन होता है जो मुख्य तौर पर दुनिया के सबसे ग़रीब लोगों को प्रभावित करती हैं। हम इसे बदलने की कोशिश कर रहे हैं—कम्पनियों को ग़रीबों की समस्याओं पर अपनी विशेषज्ञता को थोड़ा सा केन्द्रित करने के लिए प्रोत्साहित करना जबकि साथ ही उन्हें इस दौरान पैसा गंवाने के लिए न कहना।

इसका अब तक का सर्वोत्तम उदाहरण वैश्विक स्वास्थ्य में है। ग़रीबों की कुछ बीमारियों के लिए नये टीकों और दवाइयों की जरूरत होती है, जो कि जैसा कि मेलिंडा कहती हैं, एक ऐसा क्षेत्र है जिनमें बायोटैक कम्पनियाँ श्रेष्ठ हैं। तो, उदाहरण के लिए, हम दो शुरुआती-चरण वाली कम्पनियों को वित्तपोषित कर रहे हैं जो आपके शरीर को यह सिखाने के लिए कि अपने टीके खुद कैसे बनाए, मैसेंजर RNA का इस्तेमाल करने के तरीकों पर काम कर रही हैं। यह HIV और मलेरिया—साथ ही साथ फ्लू और यहाँ तक कि कैंसर में भी महत्वपूर्ण खोजों तक ले जा सकती है।

ग़रीब देशों के लोगों के लिए मौजूदा दवाएँ और टीके उपलब्ध कराने के लिए हम निजी क्षेत्र के साथ भी काम कर रहे हैं। एक दर्जन से अधिक भयावह बीमारियों का एक समूह है, जिसे सामूहिक तौर पर उपेक्षित संक्रमक बीमारियों के तौर पर जाना जाता है, जो 1.5 बिलियन से अधिक लोगों को प्रभावित करती हैं। इनमें से बहुत सी बीमारियों का इलाज किया जा सकता है, लेकिन सबसे अधिक ग़रीब देशों के लिए दवाइयाँ बहुत महंगी हैं ताकि वे अपने लोगों के लिए उन्हें खरीद और वितरित कर सकें। कई साल पहले, हमने जाना कि कुछ फार्मास्यूटिकल कम्पनियाँ ज़रूरी दवाइयाँ दान कर रही थीं। हमें यह विचार पसंद आया और हमने और अधिक दान करने के लिए कम्पनियों के एक बड़े समूह को इकट्ठा करने में मदद की। 2016 में उन्होंने 130 देशों में 1 बिलियन लोगों को कम से कम इन बीमारियों में से एक के लिए इलाज प्रदान किया। मैं आशावादी हूँ कि हम अगले दशक में उपेक्षित संक्रामक बीमारियों में से कई को समाप्त कर सकते हैं, और यह काम इसका एक कारण है कि ऐसा क्यों किया जा सकता है।

कई बार निजी क्षेत्र को शामिल करने के लिए हम अधिक जटिल वित्तीय सौदों का उपयोग करते हैं। उदाहरण के लिए, दाता कम्पनियों को गारंटी प्रदान करके कंपनियों के लिए कुछ जोखिम को हटा सकते हैं कि वे या तो उनके उत्पाद के लिए एक निश्चित मूल्य प्राप्त करेंगे या इसके एक निश्चित मात्रा को बेचेंगे। हम उन कई दाताओं में से एक हैं, जिन्होंने न्यूमोकोकल बीमारी के लिए एक टीके की डिलीवरी को बढ़ाने के लिए मूल्य की गारंटी का निर्माण किया, यह एक ऐसा संक्रमण है जो हर साल लगभग 50 लाख बच्चों की जान ले लेता है। 57 देशों के ग़रीब बच्चे अब यह टीका प्राप्त करते हैं, और यह 2020 तक 1.5 मिलियन जानें बचा सकता है।

हम अन्य क्षेत्रों में भी निजी क्षेत्र के साथ काम कर रहे हैं, लेकिन उन प्रयासों ने इतनी प्रगति नहीं की है। मोनसेंटो जैसी कृषि कंपनियां ऐसे बीज बना रही हैं जो कि ग़रीब देशों के किसानों को अधिक भोजन, अधिक पैसा कमाने में मदद कर सकते हैं और जो (जैसा कि मेलिंडा ने पहले उल्लेख किया) जलवायु परिवर्तन के अनुकूल

हो। और हम वोडाफोन जैसे मोबाइल-फ़ोन प्रदाताओं के साथ काम कर रहे हैं ताकि और अधिक ग़रीब लोग पैसा बचा सकें, भुगतान कर सकें, और अपने फोन के माध्यम से पैसा उधार ले सकें। यह काम शुरुआत में कीनिया में शुरु किया गया था और अब भारत सहित, अन्य देशों में भी विस्तार कर रहा है।

8. क्या यह सही है कि आपका इतना प्रभाव है?

मेलिंडा

नहीं। यह सही नहीं है कि हमारे पास इतनी दौलत है जबकि खरबों अन्य लोगों के पास इतना कम है। और यह सही नहीं है कि हमारी दौलत उन दरवाज़ों को खोलती है जो अधिकतर लोगों के लिए बंद हैं। दुनिया भर के नेता हमारी फोन कॉल्स को लेते हैं और हम जो कहते हैं, उस पर गंभीरता से विचार करते हैं। नकदी की कमी वाले ज़िलों की उन सुझावों की तरफ अधिक पैसा और प्रतिभा भेजने की संभावना है जिनके लिए उन्हें लगता है हम वित्तपोषित करेंगे।

मेलिंडा
इस बारे में भी स्पष्ट नियम मौजूद हैं कि धर्मार्थ संगठन क्या कर सकते हैं + क्या नहीं कर सकते।

लेकिन एक संस्थान के रूप में हमारे लक्ष्यों के बारे में कुछ भी छुपा नहीं है। हम इस बारे में काफी स्पष्ट हैं कि हम किसे फंड करते हैं और इसके परिणाम क्या रहे हैं। (यह हमेशा तत्काल स्पष्ट नहीं होता कि क्या चीज़ सफल रही है और क्या नहीं, लेकिन हम अपने प्रभाव का आकलन करने, मार्ग को ठीक करने और सीखे गये सबकों को साझा करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं)। हम यह काम करते हैं, और जो भी प्रभाव हमारे पास मौजूद है, उसका उपयोग करते हैं, ताकि जितने अधिक से अधिक लोगों की सहायता की जा सके, की जाए और दुनिया भर में समानता को बढ़ावा दिया जा सके। हालांकि हमें कुछ हद तक सफलता मिली है, लेकिन इस समय इस पर बहस करना मुश्किल होगा कि हमने अपना वैश्विक ध्यान स्वास्थ्य, शिक्षा या ग़रीबी पर केंद्रित किया है।

बिल

जबकि हम फीडबैक को अधिक से अधिक प्रोत्साहित करते हैं, लेकिन हम जानते हैं कि हमारे कुछ आलोचक इसलिए आवाज़ नहीं उठाते क्योंकि वे पैसा नहीं खोना चाहते। इसका मतलब है कि हमें अच्छी नियुक्तियाँ करने, विशेषज्ञों से परामर्श करने, लगातार सीखने, और विभिन्न नज़रियों की तलाश करने की जरूरत है।

जबकि हमारा संस्थान दुनिया में सबसे बड़ा है, उसके मुकाबले जो पैसा हमारे पास मौजूद है वह व्यापारों और सरकारों द्वारा खर्च किये जाने वाले पैसे की तुलना में बहुत कम है। उदाहरण के लिए, कैलीफ़ोर्निया हमारी सम्पूर्ण अक्षय निधि से अधिक अपने पब्लिक स्कूल सिस्टम को चलाने के लिए एक साल में खर्च कर देता है।

इसलिए हम अपने संसाधनों का उपयोग एक खास तरीके से करते हैं: आशाजनक नवाचारों का परीक्षण करने, आंकड़ों को इकट्ठा करने और उनका विश्लेषण करने के लिए, और व्यापार और सरकारें जो चीज़ें काम करती हैं उसे बढ़ाने और बनाए रखने के लिए। हम इस मामले में इनक्यूबेटर की तरह हैं। हमारा लक्ष्य उन विचारों की गुणवत्ता में सुधार करना है, जो सार्वजनिक नीतियों में जाते हैं और उन विचारों की ओर वित्तपोषण को मोड़ना है जो सबसे अधिक प्रभाव डालते हैं।

इस सवाल के केन्द्र में एक और मुद्दा है। अगर हमें लगता है कि यह अनुचित है कि हमारे पास बहुत अधिक धन है, तो हम सरकार को यह सब क्यों नहीं दे देते? इसका उत्तर यह है कि हमें लगता है कि संस्थाओं की हमेशा एक अनोखी भूमिका होगी। वे सबसे बड़ी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए एक वैश्विक दृष्टिकोण ले सकती हैं, समस्याओं को सुलझाने के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण ले सकती हैं, और उच्च जोखिम वाले प्रोजेक्ट्स प्रबंधित कर सकती हैं जो सरकारें नहीं ले सकतीं और कॉर्पोरेशंस नहीं करेंगे। अगर कोई सरकार किसी विचार को आज़माती है जो विफल हो जाता है, तो इसका मतलब है कि कोई अपना काम नहीं कर रहा था। जबकि यदि हम कुछ सुझाव को नहीं आज़माते जो विफल हो जाते हैं, तो हम अपना काम नहीं कर रहे हैं।

9. क्या होता है जब आप दोनों किसी बात पर असहमत होते हैं?

मेलिंडा

हम कभी असहमत नहीं होते। मजाक कर रही हूँ।

बिल से लगभग कभी भी यह सवाल नहीं पूछा जाता। मुझसे हमेशा पूछा जाता है। कई बार, यह उन पत्रकारों की ओर से आता है जो यह संकेत कर रहे होते हैं ज़रूर बिल ही फैसले ले रहे होंगे। और कई बार, यह उन महिला समाज-सेवियों की ओर से आता है, जो अपने पतियों के साथ इस काम को अधिक प्रभावशाली ढंग से करने के लिए सलाह मांग रही होती हैं।

बिल और मेरे पक्ष में दो चीज़ें हैं।

पहली, हम मूल मान्यताओं पर सहमत हैं। हमारी शादी के लिए, बिल के माता-पिता ने हमें दो साथ-साथ बैठे, आकाश की ओर उड़ने की शुरुआत करते हुए पक्षियों की मूर्ति दी थी, और यह अभी भी हमारे घर के सामने मौजूद है। मैं इसके बारे में हमेशा सोचती हूँ, क्योंकि मूल रूप से हम एक ही दिशा में देख रहे हैं।

मेलिंडा
अगर बिल के बारे में कोई एक बात ऐसी है जिसे मैं चाहूंगी कि उसे सब लोग अपनाएँ, तो वह यही है।

दूसरा, बिल बहुत खुले दिमाग के हैं, लेकिन ज़रूरी नहीं कि लोग उन्हें ऐसे ही रूप में देखते हों। मैं बिल से प्यार करती हूँ कि उनका दिल बहुत विनम्र है, दूसरों की बात सुनते हैं, और जो वे कहते हैं उससे अपने आपको प्रभावित होने देते हैं। जब मैं कोई कहानी सुनाती हूँ कि मैंने क्या देखा तो वह इसे महसूस करते हैं। वह मुझे अच्छे समाधान के लिए कुछ आंकड़े इकट्ठा करने के लिए कह सकते हैं, लेकिन वह मेरे अनुभवों की वास्तविकता या मेरे फैसले की दृढ़ता पर संदेह नहीं करते।

हैनन, चीन में ज़ाऊ मिंगटिंग परिवार के साथ हंसी के कुछ पल गुजारते हुए

जब बिल पहले माइक्रोसॉफ्ट से इस संस्थान में आये थे, तो वह इंचार्ज होने के आदी थे। मैं हमारे बच्चों के साथ घर पर रहा करती थी, तो मैं अपना करियर फिर से शुरु कर रही थी। कई बार मैंने उस असमानता को-बैठकों में महसूस किया जब मैं कम बोलती थी और वह बहुत वाचाल थे, या जब हम जिस व्यक्ति से मिल रहे होते थे, वह बिल की ओर देखता था, मेरी ओर नहीं। यह हमेशा हमारे लिए महत्वपूर्ण होता है कि हम अपने संस्थान के काम में समान साझेदार हैं। हमने समय के साथ-साथ, किसी लक्ष्य को पूरा न करने पर, कार्यालय में और कई बार घर पर एक-दूसरे को प्रतिक्रिया देना सीख लिया।

बिल
और हम इसके लिए बेहतर स्थिति में हैं।

धीरे-धीरे, मैंने लैंगिक मुद्दों पर और अधिक ध्यान केंद्रित किया, क्योंकि मैंने बार-बार देखा कि जितनी अधिक सशक्त महिलाएं और लड़कियाँ होती हैं, उनके समुदाय भी उतने अधिक मजबूत होते है। जैसे-जैसे मैंने दुनिया

भर में महिलाओं के लिए समानता के बारे में अधिक गहराई से सोचा, मुझे गर्व है कि बिल और मैंने इसे एक साथ हमारे जीवन में हासिल किया है।

यह एक ऐसा संतुलन है, जिसे दुनिया भर के शादीशुदा जोड़े, और सहकर्मी, हमेशा प्राप्त करने की कोशिश करते हैं। एक कारण कि यह काम मेरे लिए हमेशा इतना मजेदार बना रहा है, वह यह है कि हम इस यात्रा पर इकट्ठे हैं।

बिल

मैं इस सब से सहमत हूँ! हालांकि मुझे यह स्वीकार करना होगा कि मेलिंडा निजी विषयों पर सार्वजनिक रूप से बात करने में मुझ से कहीं अधिक सहज महसूस करती हैं और बेहतर हैं।

जैसा कि उन्होंने कहा, हमारी आम मान्यताएँ हमारे लिए बेहतरीन कार्य करती हैं। हम बड़े मुद्दों पर सहमत हैं। हमारे आजकल की कभी-कभार की असहमतियाँ रणनीतियों के बारे में होती हैं। क्योंकि मैं लम्बे समय से एक सार्वजनिक व्यक्तित्व रहा हूँ, और क्योंकि मैं एक आदमी हूँ, इसलिए कुछ लोग यह मान लेते हैं कि मैं बड़े फैसले ले रहा हूँ। ऐसा कभी भी नहीं था।

कुछ लोग मेलिंडा को हमारे संस्थान का केन्द्र मानते हैं, भावनात्मक केन्द्र। लेकिन क्योंकि वे जानती हैं कि मैं उससे अधिक भावनात्मक हूँ जितना कि लोग मेरे बारे में जानते हैं, और मैं जानता हूँ कि जितना लोग समझते हैं वह उससे अधिक विश्लेषक हैं। जब मैं किसी चीज़ के बारे में बहुत उत्साहित हो जाता हूं, तो मैं उस पर भरोसा रखता हूं कि वे यकीनी बनाएँ कि मैं यथार्थ से जुड़ा रहूं। मैं उसे किसी समस्या को हल करने के लिए लोगों का सही मिश्रण एकत्र करते देखना पसंद करता हूं। वह मुझे समझने में मदद करती हैं कि कब मैं हमारी टीमों को और पुश कर सकता हूं (जैसा कि मैंने माइक्रोसॉफ्ट में हमेशा ही किया था) और कब मुझे थोड़ा पीछे हटने की जरूरत है।

मेलिंडा
मैं इस बात की ज़मानत दे सकती हूँ।

हम दोनों ही अभिप्रायों में भागीदार हैं जिस शब्द को लोग इन दिनों इस्तेमाल करते हैं: घर पर और काम पर।

10. सही में, आप अपने पैसे को दान क्यों कर रहे हैं—इससे आपका क्या फायदा?

बिल

यह इसलिए नहीं है कि हमें लगता है कि हमें किस प्रकार याद किया जाएगा। हमें खुशी होगी कि किसी दिन पोलियो और मलेरिया जैसी बीमारियाँ पुराने दिन की याद होंगी, और यह तथ्य कि हमने भी इस पर काम किया था।

ऐसा करने के पीछे दो कारण हैं। एक यह है कि यह एक सार्थक कार्य है। हमारी शादी होने से पहले से ही, हमने इस बारे में बात की कि किस प्रकार अंतत: हम परोपकार पर अपना ज़्यादातर समय व्यतीत करेंगे। हमें लगता है कि बहुत से पैसे वाले किसी भी व्यक्ति की यह मूल जिम्मेदारी है। एक बार जब आप अपनी और अपने बच्चों की देखभाल कर लेते हैं, तो अतिरिक्त दौलत का सर्वोत्तम उपयोग उसे समाज को वापस करना है।

दूसरा कारण है कि हमें ऐसा करने में आनन्द आता है। हम दोनों ही अपने काम के पीछे के विज्ञान को टटोलना पसंद करते हैं। माइक्रोसॉफ्ट में, मैं कम्प्यूटर साइंस में गहरा उतर गया था। संस्थान में, यह कम्प्यूटर साइंस और बायोलॉजी, कैमिस्ट्री, एग्रोनॉमी और बहुत कुछ है। मैं किसी फसल विशेषज्ञ या किसी HIV विशेषज्ञ से बात करते हुए घंटों बिता सकता हूँ, और फिर मैं घर जाकर जो मैंने सीखा है उसे मेलिंडा को बताने के लिए उत्सुक होता हूँ।

बिल
और वह भी मेरे साथ ऐसा ही करती हैं।

ऐसा काम होना विरले ही होता है जहाँ आप गहरा असर छोड़ रहे हों और मजा भी उठा रहे हों। मैंने ऐसा माइक्रोसॉफ्ट में रहते हुए किया और मैं ऐसा संस्थान में रहते हुए भी कर रहा हूँ। मैं अपना अधिकांश समय व्यतीत करने का इससे बेहतरीन तरीका नहीं सोच सकता।

पौलिन, कम्बोडिया में स्वास्थ्य कर्मियों के साथ मलेरिया के बारे में बात करते हुए।

मेलिंडा

हम दोनों ही ऐसे परिवारों से आये हैं जिनका मानना है कि उससे बेहतर दुनिया को पीछे छोड़ें जो उन्होंने पाई थी। मेरे माता-पिता ने सुनिश्चित किया कि मेरे भाई-बहन और मैं कैथोलिक चर्च की सामाजिक न्याय शिक्षाओं को दिल से अपनाये। एक बड़ी संख्या में महत्वपूर्ण कारणों के लिए अधिवक्ता बनने के लिए और आपकी जानकारी से कहीं अधिक स्थानीय संगठनों की सहायता करने के लिए बिल की मां ज्ञात थीं, और उनके पिता अभी भी ज्ञात हैं।

जब हमने वॉरेन बफेट को जाना, तो हमने पाया कि वह भी उन्हीं मान्यताओं से भरे हुए थे, भले ही वह किसी अन्य स्थान पर और किसी अन्य समय में पले-बढ़े थे। जब वॉरेन ने अपनी संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा सौंपने के लिए हम पर भरोसा किया तो हमने अपने द्वारा साझा की जाने वाली मान्यताओं पर जीने के हमारे प्रयासों को और बढ़ाया।

बेशक, ये मान्यताएँ हम तीनों के लिए अद्वितीय नहीं हैं। लाखों लोग अपना समय स्वयंसेवा करते हुए गुजारते हैं और दूसरों की मदद करने के लिए पैसे दान करते हैं। हालांकि, हम दान करने के लिए बहुत अधिक धन होने की अधिक असामान्य स्थिति में हैं। हमारा लक्ष्य वह करना है जो हमारे माता-पिता ने हमें सिखाया और दुनिया को बेहतर बनाने के लिए अपना काम करना।

बिल और मैं 17 साल से पूरी तरह से या पूर्णकालिक समय के लिए इस काम को कर रहे हैं। यही हमारी शादी का अधिकांश है। यही लगभग हमारे बच्चों के जीवन की संपूर्णता है। अब तक संस्थान का काम और हम अविभाज्य बन चुके हैं। हम काम करते हैं क्योंकि यही हमारा जीवन है।

हमने अपने बच्चों को संस्था के काम के बारे में बात करके और बड़े होने पर, उनके बड़े होने पर, उन्हें अपने साथ यात्राओं पर ले जाने द्वारा अपने बच्चों तक अपनी मान्यताएँ पहुंचाने का प्रयास किया है ताकि वे स्वयं इसे देख सकें। हम सीखने के सत्रों, साइट विज़िट्स और रणनीति बैठकों पर हजारों दैनिक विवरणों के माध्यम से एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। हम कहाँ जाते हैं, हम किसके साथ अपना समय बिताते हैं, हम जो पढ़ते हैं और देखते हैं और सुनते हैं—ये निर्णय संस्थान पर हमारे काम के दृष्टिकोण के माध्यम से लिये जाते हैं (जब हम *द क्राउन* नहीं देख रहे होते)।

बिल
The Leftovers या *The Man in the High Castle.*

शायद 20 साल पहले, हम अपनी दौलत के साथ क्या करें के बारे में हमने शायद कुछ अलग चयन किया होता। लेकिन अब कल्पना करना भी असंभव है। अगर हम एक अलग जिंदगी जीने का निर्णय लेते, तो हम अब हम नहीं होते। हम यही बनने का चयन किया।

Bill & Melinda